भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3205

जिसका उत्तर दिनांक 31.03.2022 को दिया जाना है

देश में परमाणु विद्युत संयंत्र

3205 श्री जी.वी.एल.नरसिंहा राव :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कार्यशील परमाणु विद्युत संयंत्रों और परमाणु रिएक्टरों की संख्या कितनी-कितनी है;

(ख) देश में निर्माण के लिए नियोजित परमाणु विद्युत संयंत्रों और रिएक्टरों की संख्या कितनी-कितनी है;

(ग) भाग (क) और (ख) में परमाणु विद्युत संयंत्रों चाहे स्वदेशी हो या आयातित का स्थान, क्षमता, उनमें किये गये निवेश और भविष्य में प्रस्तावित निवेश संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) आन्ध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में स्थापित कोव्वाड़ा संयंत्र की योजनाबद्ध विद्युत उत्पादन क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ङ) कोव्वाड़ा में किये जाने वाला सम्भावित निवेश कितना है तथा उद्योग मानकों से कितना रोजगार उत्पन्न होने की सम्भावना है;

(च) उत्तर प्रदेश में मौजूदा और प्रस्तावित परमाणु विद्युत संयंत्रों का ब्यौरा क्या है; और

(छ) उत्तर प्रदेश स्थित विद्युत संयंत्रों में कितना निवेश किया गया है तथा उनसे कितना रोजगार उत्पन्न हुआ है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) देश में बाईस (22) नाभिकीय विद्युत संयंत्र प्रचालित हैं ।

(ख) वर्तमान में, ग्यारह (11) रिएक्टर विभिन्न चरणों में निर्माण/कमीशनन अधीन हैं (केएपीपी-3 जो पहले ही ग्रिड से जोड़ दिया गया है और भाविनी द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे

पीएफबीआर सहित) । इसके अतिरिक्त, सरकार ने शीघ्रगामी (फ्लीट) मोड में स्थापित किए जाने के लिए दस (10) रिएक्टरों हेतु प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान कर दी है ।

(ग) विवरण अनुलग्नक में दिया गया है ।

(घ) सरकार ने आंध्र प्रदेश राज्य में श्रीकाकुलम जिले में कोव्वडा में प्रत्येक 1208 मेगावाट के छह (6) रिएक्टर स्थापित करने के लिए 'सैद्धांतिक' अनुमोदन प्रदान कर दिया है ।

(ङ) परियोजना प्रस्ताव को अंतिम रूप दिए जाने और सरकार द्वारा कोव्वडा परियोजना को प्रशासनिक अनुमोदन और वित्तीय मंजूरी प्रदान किए जाने पर ही लागत और निवेश विवरण पर चर्चा होगी । रोजगार के संबंध में, निर्माण के दौरान, ठेकेदार की बड़ी मात्रा में मानवशक्ति नियोजित होती है । निर्माण के दौरान रोजगार संभाव्यता घंटाकार वक्र में रहेगी जिसमें इसके शिखर पर लगभग 8000 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा । प्रचालित होने पर, प्रत्येक दो-दो यूनिट के बिजलीघरों से लगभग 2000 व्यक्तियों के लिए रोजगार (प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष) उत्पन्न होने की आशा है । इसके अतिरिक्त, ठेकेदारों/विक्रेताओं से तथा व्यापार अवसर जो स्थल पर आर्थिक गतिविधि में वृद्धि के कारण उत्पन्न होंगे, से बड़ी मात्रा में रोजगार उत्पन्न होने की संभावना है ।

(च) उत्तर प्रदेश राज्य में, प्रत्येक 220 मेगावाट क्षमता के दो (2) स्वदेशी दाबित भारी पानी रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) (एनएपीएस-1 व 2) नरोरा, बुलंदशहर जिले में प्रचालनरत हैं ।

(छ) एनएपीएस-1 व 2 (2 x 220 मेगावाट) का कुल निवेश (कमीशन की तारीख को) रूपए 745 करोड़ था । इन रिएक्टरो से लगभग 2000 व्यक्तियों (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) को रोजगार मिलता है । इसके अतिरिक्त, ठेकेदारों/विक्रेताओं से तथा व्यापार अवसर जो स्थल पर आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण उत्पन्न हुए हैं, से पर्याप्त रोजगार संभाव्यता उत्पन्न हुई है ।

* * * * *

ए. प्रचालनरत नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की सूची

राज्य	**स्थान**	**यूनिट**	**क्षमता** (**मेगावाट**)	**पूंजीगत लागत** (कमीशनन की तारीख पर), **रू. करोड़ में**	**के सहयोग से**
महाराष्ट्र	तारापुर	टीएपीएस-1[&]	160	90.54	संयुक्त राज्य अमेरिका
		टीएपीएस-2[&]	160		
		टीएपीएस-3	540	5667.84	स्वदेशी
		टीएपीएस-4	540		
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीएस-1[@]	100	-	कनाडा
		आरएपीएस-2	200	2424.99	
		आरएपीएस-3	220		स्वदेशी
		आरएपीएस-4	220		
		आरएपीएस-5	220	2362.70	
		आरएपीएस-6	220		
तमिलनाडु	कल्पाक्कम	एमएपीएस-1[&]	220	226.84	
		एमएपीएस-2	220		
	कूडनकुलम	केकेएनपीपी-1	1000	21618.76	रूसी परिसंघ
		केकेएनपीपी-2	1000		
उत्तर प्रदेश	नरोरा	एनएपीएस-1	220	745.00	स्वदेशी
		एनएपीएस-2	220		
गुजरात	काकरापार	केएपीएस-1	220	1366.68	
		केएपीएस-2	220		
कर्नाटक	कैगा	केजीएस-1	220	2823.77	
		केजीएस-2	220		
		केजीएस-3	220	2715.06	
		केजीएस-4	220		

[@] आरएपीएस-1 तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन के लिए विस्तारित शटडाउन के अधीन है ।

[&] टीएपीएस-1 व टीएपीएस-2 और एमएपीएस-1 वर्तमान में परियोजना मोड के अधीन है ।

बी. निर्माण/कमीशनन अधीन और मंजूरी प्राप्त नाभिकीय विद्युत रिएक्टरों का विवरण

राज्य	स्थान	परियोजना	क्षमता (मेगावाट)	संस्वीकृत लागत (रू. करोड़ में)	के सहयोग से
विभिन्न स्तर पर निर्माणाधीन/कमीशनन के अधीन परियोजनाएं					
गुजरात	काकरापार	केएपीपी-3[$] तथा 4	2 X 700	11459[#]	स्वदेशी
राजस्थान	रावतभाटा	आरएपीएस-7 तथा 8	2 X 700	12320[*]	
तमिलनाडु	कूडनकुलम	केकेएनपीपी-3 तथा 4	2 X 1000	39849	रूसी परिसंघ
		केकेएनपीपी-5 तथा 6	2 X 1000	49621	
	कल्पाक्कम	पीएफबीआर	1 X 500	6840	स्वदेशी
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी-1 तथा 2	2 X 700	20594	स्वदेशी
प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्तीय मंजूरी प्राप्त परियोजनाएं					
कर्नाटक	कैगा	कैगा-5 तथा 6	2 X 700	105000	स्वदेशी
हरियाणा	गोरखपुर	जीएचएवीपी- 3 तथा 4	2 X 700		
मध्य प्रदेश	चुटका	चुटका-1 तथा 2	2 X 700		
राजस्थान	माही बांसवाड़ा	माही बांसवाड़ा-1 तथा 2	2 X 700		
		माही बांसवाड़ा-3 तथा 4	2 X 700		

$ केएपीपी-3 (700मेगावाट) को 10 जनवरी, 2021 को ग्रिड से जोड़ दिया गया है ।

'#' संशोधन के अधीन रूपए 19220 करोड़ *'*' संशोधन के अधीन रूपए 17079 करोड़*